आय से अधिक खर्च करने वाले तिरस्कार सहते और कष्ट भोगते हैं।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

अच्छी पुस्तकें जीवन्त देव-प्रतिमाएँ हैं।
उनकी आराधना से तत्काल प्रकाश
और उल्लास मिलता है।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

आलस्य से बढ़कर अधिक घातक और समीपवर्ती शत्रु कोई नहीं।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

अनजान होना उतनी लज्जा की बात नहीं, जितनी सीखने के लिए तैयार न होना।

-श्रीराम शर्मा आचार्य

अपना मूल्य समझो और विश्वास करो कि तुम संसार के सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति हो।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

अपने को मनुष्य बनाने का प्रयत्न करो,
यदि इसमें सफल हो गए,
तो हर काम में सफलता मिलेगी।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

अपनी प्रसन्नता दूसरे की प्रसन्नता में लीन कर देने का नाम ही 'प्रेम' है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

अपनी रोटी मिल-बाँट कर खाओ, ताकि तुम्हारे सभी भाई सुखी रह सकें।

—श्रीराम शर्मा आचार्य

असफलता केवल यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं हुआ।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

बड़प्पन अमीरी में नहीं; ईमानदारी और सज्जनता में सन्निहित है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

बुद्धिमान वे हैं, जो बोलने से पहले सोचते हैं, मूर्ख वे हैं, जो बोलते पहले और सोचते बाद में हैं।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

चिंता और चिता में इतना ही अन्तर है कि एक अदृश्य है और दूसरी प्रत्यक्ष।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

विचार क्रान्ति अभियान - शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
www.awgp.org

देवता आशीर्वाद देने में तब गूँगे रहते हैं,
जब हमारा हृदय उनकी वाणी
सुनने में बहरा रहता है।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

विचार क्रान्ति अभियान - शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
www.awgp.org

दूसरों के साथ वह व्यवहार न करें, जो तुम्हें अपने लिए पसंद नहीं।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

विचार क्रान्ति अभियान - शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

www.awgp.org

दूसरों के साथ वैसी ही उदारता बरतो, जैसी ईश्वर ने तुम्हारे साथ बरती है।

-श्रीराम शर्मा आचार्य

घमण्डी के लिए कहीं कोई ईश्वर नहीं,
ईर्ष्यालु का कोई पड़ोसी नहीं
और क्रोधी का कोई मित्र नहीं।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

गृहस्थ एक तपोवन है, जिसमें संयम, सेवा और सहिष्णुता की साधना करनी पड़ती है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

विचार क्रान्ति अभियान - शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

www.awgp.org

ईमानदार होने का अर्थ है-
हजार मनकों में से
अलग चमकने वाला हीरा।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

ईर्ष्या आदमी को उसी तरह खा जाती है, जैसे कपड़ों को कीड़ा।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

जिन्हें लम्बी जिन्दगी जीनी हो, वे बिना कड़ी भूख लगे कुछ भी न खाने की आदत डालें।

— श्रीराम शर्मा आचार्य

जिसने जीवन में स्नेह-सौजन्य का समुचित समावेश कर लिया, सचमुच वह सबसे बड़ा कलाकार है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

विचार क्रान्ति अभियान - शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

www.awgp.org

जीवन का अर्थ है 'समय' -
जो जीवन से प्यार करते हों,
वे आलस्य में समय न गवायें।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

जो अपनी सहायता आप करने को तत्पर हैं, ईश्वर केवल उन्हीं की सहायता करता है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

जो बच्चों को सिखाते हैं,
उन पर बड़े खुद अमल करें,
तो यह संसार स्वर्ग बन जाए।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

जो जैसा सोचता और करता है, वह वैसा ही बन जाता है।

-श्रीराम शर्मा आचार्य

कार्य की अधिकता से नहीं, आदमी उसे भार समझकर अनियमित रूप से करने पर थकता है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

कायर मृत्यु से पूर्व अनेकों बार
मरता है, जबकि बहादूर को
मरने के दिन ही मरना पड़ता है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

किसी का सुधार उपहास से नहीं,
उसे नये सिरे से सोचने और
बदलने का अवसर देने से होता है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

किसी को कुछ देने की इच्छा हो,
तो आत्म-विश्वास जगाने वाला
प्रोत्साहन सर्वोत्तम उपहार के रूप में दें।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

कुकर्मी से बढ़कर अभागा कोई नहीं, क्योंकि विपत्ति में उसका कोई साथी नहीं रहता।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

लोग क्या कहते हैं, इस पर ध्यान मत दो। सिर्फ यह देखो कि जो करने योग्य था, वह बन पड़ा या नहीं।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य का जन्म तो सहज होता है,
पर मनुष्यता उसे कठिन प्रयत्न से
प्राप्त करनी पड़ती है।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य कर्म करने में स्वतंत्र है,
परन्तु इनके परिणामों में
चुनाव की कोई सुविधा नहीं।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य परिस्थितियों का दास नहीं,
वह उनका निर्माता,
नियंत्रणकर्ता और स्वामी है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

पाप अपने साथ रोग, शोक, पतन और संकट भी लेकर आता है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

पढ़ने योग्य लिखा जाय, इससे लाख गुणाबेहतर यह है कि लिखने योग्य किया जाय।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

परमेश्वर का प्यार केवल सदाचारी और कर्तव्य-परायणों के लिए सुरक्षित है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

विचार क्रान्ति अभियान - शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

www.awgp.org

फूलों की सुगंध हवा के प्रतिकूल नहीं फैलती, पर सद्गुणों की कीर्ति दसों दिशाओं में फैलती है।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रसन्न रहने के दो ही उपाय हैं- आवश्यकताएँ कम करें और परिस्थितियों से तालमेल बिठायें।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

पुष्प की तरह खिलें,
चन्दन की तरह सुगन्धित बनें तो
भगवान भी सिर पर रखेंगे।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

प्यार और सहकार से भरा पूरा परिवार ही धरती का स्वर्ग होता है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

सभ्यता का स्वरूप है- सादगी, अपने लिए कठोरता और दूसरों के लिए उदारता।

-श्रीराम शर्मा आचार्य

विचार क्रान्ति अभियान - शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

www.awgp.org

सबसे बड़ा दीन दुर्बल वह है,
जिनका अपने ऊपर नियंत्रण नहीं।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

सच्चरित्र और निःस्वार्थ लोकसेवी ही किसी राष्ट्र को ऊँचा उठा सकता है।

- श्रीराम शर्मा आचार्य

सद्गुणों की खाद और
सच्चाई का पानी पाकर
व्यक्तित्व का पौधा विकसित होता है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

सज्जन अमीरी में गरीब जैसे नम्र और गरीबी में अमीर जैसे उदार होते हैं।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

सार्थक और प्रभावी उपदेश वह है, जो वाणी से नहीं; अपने आचरण से प्रस्तुत किया जाता है।

-श्रीराम शर्मा आचार्य

शालीनता बिना मोल मिलती है,
पर उससे सब कुछ
खरीदा जा सकता है।

-श्रीराम शर्मा आचार्य

उन्हें मत सराहो, जिनने अनीतिपूर्वक सफलता पाई और सम्पत्ति कमाई।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

विपरीत परिस्थितियों में भी जो ईमान, साहस और धैर्य को कायम रख सके वस्तुतः वही सच्चा शूरवीर है।

-श्रीराम शर्मा आचार्य

यदि दुनिया तुम्हारे कार्यों की
प्रशंसा करती है, तो इसमें कुछ भी बुरा नहीं,
खतरा तब है, जब तुम प्रशंसा पाने के लिए
किसी कार्य को करते हो।

– श्रीराम शर्मा आचार्य

योग्यता और परिस्थिति को
ध्यान में रखकर महत्त्वकांक्षाएँ
न गढ़ने वाला दुःखी रहता
और उपहास सहता है।

– श्रीराम शर्मा आचार्य